सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 160 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 15 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सच्चाई का सामना ऐसे कीजिये जैसे कि वो है, ना की जैसी थी या आप उसे जैसा होना चाहते हैं।
-जैक वेल्च

इंग्लैंड ने भारत से छीना रैंकिंग में... 7 | हंगामा मचा, उठने लगे सियासी... 3 | बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रही... 2

फातिहा की तपिश में झुलसी सरकार

मुस्लमानों की धार्मिक आस्थाओं को लेकर सियासी माहौल गर्म

» सीएम उमर अब्दुल्ला के पक्ष में ममता, स्टालिन और अखिलेश यादव खुल कर सामने आये

» तुम यूं ही हर बात पर पाबंदियों का दौर लाओगे तो जब बदलेगी हुकूमत तो तुम ही बताओ तुम किस सरहद को फांद कर जाओगे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिजाब विवाद, बकरीद की कुर्बानी की निगरानी, अजान को लेकर बहस, खुले में नमाज के बाद अब फातिहा विवाद पर देश में मुस्लमानों की धार्मिक आस्थाओं को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। लोकतांत्रिक देश में चुने हुए मुख्यमंत्री को फातिहा पढ़ने से रोकने की कोशिश में उपजे विवाद की चिंगारी से नये घमासान की आशंका बलवती हो रही है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अबदुल्ला के पक्ष में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडू के सीएम स्टालिन और यूपी के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। इन नेताओं ने सवाल पूछें है कि जब एक मुख्यमंत्री के साथ इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है तो फिर देश में मुस्लमानों की क्या स्थिति होगी?

जब मुख्यमंत्री के साथ ऐसा हो सकता है तो फिर आम मुस्लमान की देश में क्या हैसियत

'अनिर्वाचित सरकार ने मेरा रास्ता रोकने की कोशिश की'

सीएम उमर अबदुल्ला ने लिखा है कि मुझे इसी तरह शारीरिक रूप से हाथापाई का सामना करना पड़ा। लेकिन मैं ज्यादा मजबूत स्वभाव का हूं और मुझे रोका नहीं जा सकता था। मैं कोई भी गैरकानूनी या अवैध काम नहीं कर रहा था। दरअसल कानून के इन रखवालों को यह बताना होगा कि वे किस कानून के तहत हमें फातिहा पढ़ने से रोक रहे थे। उन्होंने कहा कि अनिर्वाचित सरकार ने मेरा रास्ता रोकने की कोशिश की और मुझे नौहट्टा चौक से पैदल चलने पर मजबूर किया। उन्होंने नक्शबंद साहब की दरगाह का दरवाजा बंद कर दिया और मुझे दीवार फांदने पर मजबूर किया। उन्होंने मुझे शारीरिक रूप से पकड़ने की कोशिश की लेकिन मैं रुकने वाला नहीं था।

बीजेपी आईटी सेल हेड अमित मालवीय ने संभाला मोर्चा

विपक्ष के करारे के आक्रमण को रोकने की जिम्मेदारी बीजेपी आईटी सेल हेड अमित मालवीय ने संभाली है। उन्होंने ममता बनर्जी, स्टालिन और अखिलेश यादव के सवालों के जवाब में कहा है कि सीएम उमर अबदुल्ला के शहीद दिवस मनाने के आह्वान का समर्थन करना किसी स्मृति का विषय नहीं है। यह जानबूझकर तुष्टीकरण, ऐतिहासिक विकृतियों और मुस्लिम वोट बैंकों के लिए की गई मनमानी राजनीति का परिणाम है।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव के साथ भी घटित हो चुकी है इस प्रकार की घटना

सीएम उमर अबदुल्ला के घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद पूरे देश में राजनीतिक महौल गर्म हो चुका है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ इसी प्रकार की घटना उस समय घटित हुई थी जब वह जय प्रकाश नारायण की जयंती पर लखनउ स्थित जेपी सेंटर में लगी उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जा रहे थे। उन्हें भी वहां जाने से रोका गया और बैरेकेटिंग लगा कर मार्ग को बंद कर दिया गया था। अखिलेश यादव ने सीएम उमर अबदुल्ला के साथ घटित घटना का वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि तुम यूँ ही हर बात पर पाबंदियों का दौर लाओगे, तो जब

बदलेगी हुकूमत तो तुम ही बताओ तुम किस सरहद को फांद कर जाओगे।

पहला संगठित दंगा हुआ था

अमित मालवीय ने कहा कि 13 जुलाई को कश्मीर में पहला संगठित सांप्रदायिक दंगा हुआ- राज्य, उसकी संस्थाओं और सबसे दुखद रूप से, निर्दोष हिंदुओं के खिलाफ एक हिंसक, इस्लामी विद्रोह। यह भारत की अवधारणा पर एक हमला था। इस दिन की शुरुआत श्रीनगर सेंट्रल जेल के बाहर 7,000 से ज्यादा इस्लामी कट्टरपंथियों की एक कट्टरपंथी भीड़ के इकट्ठा होने से हुई, जहां एक मुस्लिम अलगाववादी आंदोलनकारी, अब्दुल कादिर पर विद्रोह भड़काने और हिंदुओं की हत्या का आह्वान करने का मुकदमा चल रहा था।

हिंसक हो गयी भीड़

अमित मालवीय के मुताबिक विरोध प्रदर्शन के बजाय भीड़ हिंसक हो गई और अल्लाह-हू-अकबर और इस्लाम जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कादिर की रिहाई की मांग करने लगी। जब पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की, तो उन पर पत्थरों और अस्थायी हथियारों से हमला किया गया। भीड़ ने जेल पर धावा बोल दिया सरकारी इमारतों में आग लगा दी, पुलिस के उपकरण लूट लिए और आग बुझाने की कोशिश कर रहे दमकल दस्तों पर हमला कर दिया। यह अचानक नहीं हुआ था। यह पूर्वनियोजित था।

क्या है पूरा मामला

1900 से 1930 के दौरान जम्मू-कश्मीर में मुस्लिम समुदायों ने तत्कालीन महाराजा हरि सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी और 13 जुलाई 1931 को महाराज की सेना से झड़प में 22 लोग मारे गए थे। जिसके बाद उमर के दादा शेख अब्दुल्ला ने 1949 में 13 जुलाई को शहीदी दिवस घोषित किया। इस शहीदी दिवस को लेकर घाटी से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पहले तक शासकीय अवकाश रहता था। लेकिन, अब इसे खत्म कर दिया गया है।

शहीदों की कब्र पर जाना क्या गलत है : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि शहीदों की कब्र पर जाने में क्या गलत है? यह न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि एक नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार को भी छीनता है। आज सुबह एक निर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ जो हुआ वह अस्वीकार्य है। चौकाने वाला। शर्मनाक है।

क्या एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार होना चाहिए : स्टालिन

उनके पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने लिखा है कि ऐसे समय में जब जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग जोर पकड़ रही है वहां हो रही घटनाएं इस बात की भयावह याद दिलाती हैं कि हालात कितने बिगड़ चुके हैं। वहां के निर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सिर्फ 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि देने की इच्छा रखने पर नजरबंद किया जा रहा है और ऐसा करने के लिए उन्हें दीवारों पर चढ़ने पर मजबूर किया जा रहा है। क्या एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार होना चाहिए? यह सिर्फ एक राज्य या एक नेता की बात नहीं है। तमिलनाडु से लेकर कश्मीर तक, केंद्र की भाजपा सरकार निर्वाचित राज्य सरकारों के अधिकारों को व्यवस्थित रूप से छीन रही है।

बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रही है भाजपा : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख - भाजपा अपने प्रचार पर अरबों रुपया खर्च करती है, लेकिन स्कूलों के लिए पैसा नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के करीब दस हजार प्राइमरी स्कूलों के मामले में सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम ने भाजपा की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। वही सरकार के इस फैसले के खिलाफ सपा ने लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में प्रदर्शन किया है। अखिलेश ने भी इस मामले में सरकार को घेरा है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का 10 हजार से ज्यादा प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला बच्चों के भविष्य को तबाह करने वाला है।

भाजपा अपने प्रचार पर अरबों रुपया खर्च करती है, लेकिन सरकार के पास स्कूलों के लिए पैसा नहीं है।अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार स्कूल बंद कर गरीबों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। भाजपा के एजेंडे में कभी भी शिक्षा, नौकरी, रोजगार नहीं रहा है। प्रदेश में हजारों की संख्या में स्कूलों को बंद करने का सीधा असर बालिकाओं की शिक्षा पर पड़ेगा। गांव में गरीब परिवार की बच्चियां घरों से दूर कैसे स्कूल जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर हर स्तर पर शिक्षा को बेहतर बनाया जाएगा।

स्कूलों के विलय के खिलाफ सपा का प्रदर्शन

प्राथमिक विद्यालयों के विलय के खिलाफ सोमवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। दोपहर में अचानक हजरतगंज चौराहे पर एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने इसे तुगलकी फरमान बताया और हमें चाहिए पाठशाला, नहीं चाहिए मधुशाला जैसे नारे लगाने लगे। इस दौरान कार्यकर्ता विधानभवन की ओर से बढ़ने लगे। पुलिस ने जब उन्हें रोका तो नोकझोंक शुरू हो गई। इस पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बस में लाद कर ईको गार्डन पहुंचा दिया। सपा कार्यकर्ता जय प्रताप सिंह यादव ने कहा की सरकार स्कूलों को बंद कर जगह-जगह मधुशाला खोल रही है। गरीब, दलित, पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर सिर्फ धर्म के नाम पर लड़ाने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार आदेश वापस नहीं लेगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में राम प्रकाश मौर्या, उदय सिंह, ज्ञानेंद्र समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

सरकारी स्कूलों का विलय शिक्षकों और छात्रों के हित में : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों तीनों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों में बाल वाटिकाएं और प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। साथ ही, इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुपर्यायी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

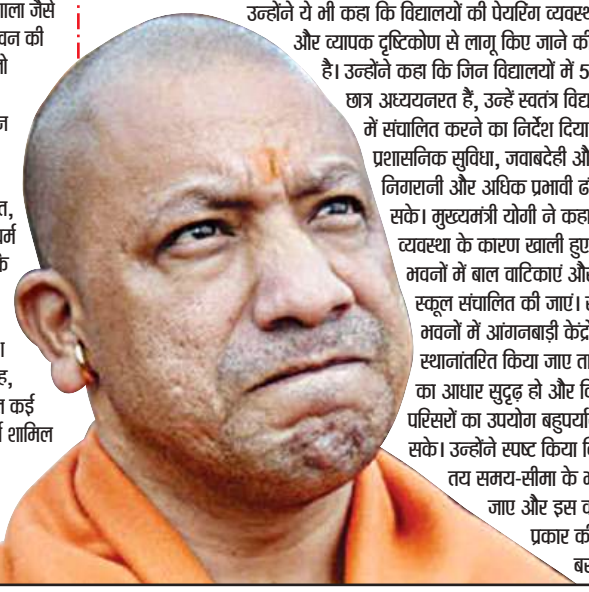

एक्सिओम-4 मिशन में किसी भी दलित या ओबीसी को भेजा जा सकता था : उदित राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और क्रू की आज वापसी पर कांग्रेस नेता उदित राज ने अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब पहले राकेश शर्मा को भेजा गया था, तब एससी, एसटी, ओबीसी के लोग इतने पढ़े-लिखे नहीं थे। इस बार, मुझे लगता है कि दलित को भेजने की बारी थी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि नासा ने कोई परीक्षा ली और फिर चयन हो गया। शुक्ला जी की जगह किसी भी दलित या ओबीसी को भेजा जा सकता था।

एक्सिओम-4 मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोग मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद 22.5 घंटे की यात्रा करके पृथ्वी पर लौटेंगे और वह कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में उतरेंगे। शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू को लेकर आ रहा ड्रैगन 'ग्रेस' अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार सोमवार शाम 4:45 बजे अंतरिक्ष स्टेशन से अलग हो गया। एक्सिओम-4 मिशन का संचालन करने वाली कंपनी स्पेसएक्स ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ड्रैगन अंतरिक्ष यान और एक्सिओम स्पेस एएक्स-4 के सभी सदस्य मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर एक मिनट पर पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करेंगे और सैन डिएगो तट पर पानी में उतरेंगे। इसमें कहा गया है कि अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरने से पहले एक संक्षिप्त ध्वनि विस्फोट के साथ अपने आगमन की घोषणा भी करेगा। अंतरिक्ष यान के पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश करते ही भारतीय समयानुसार आज अपराह्न दो बजकर सात मिनट पर प्रशांत महासागर के ऊपर 'डी-ऑर्बिट बर्न' होने की उम्मीद है। जब कोई अंतरिक्ष यान पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा होता है और उसे वापस धरती पर लाना होता है, तो उसकी गति को कम करना आवश्यक होता है ताकि वह कक्षा से बाहर निकलकर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर सके। इसी गति को कम करने के लिए अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर्स (छोटे इंजन) को एक निश्चित समय और दिशा में दागा जाता है।

शुभांशु शुक्ला को लेकर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

हरदा में घटी घटना की न्यायिक जांच हो : दिग्विजय

कांग्रेस ने करणी सेना के साथ हुए घटनाक्रम की निंदा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के हरदा में करणी सेना और पुलिस के बीच हुए टकराव के बाद घायलों से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हरदा पहुंचे थे। चर्चा के दौरान उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही हरदा कलेक्टर, एसपी, अपर कलेक्टर, एडिशनल एसपी, एसडीएम और एसडीओपी को हटाकर रिटायर्ड जज से इस पूरे घटनाक्रम की जांच कराने की बात उन्होंने कही।

इस दौरान उनके साथ राघौगढ़ से कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह एवं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी मौजूद थे। विधायक जयवर्धन सिंह ने भी राजपूत समाज के लोगों पर पुलिस द्वारा किए गए मारपीट के मामले को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि यह एसपी-कलेक्टर जब तक रहेंगे निष्पक्ष कार्यवाही की उम्मीद नहीं की जा सकती। लोगों के साथ पुलिस ने बर्बरता की है। इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यही नहीं उन्होंने कहा कि हम खाकी का सम्मान करते हैं, लेकिन जिन लोगों ने खाकी को दागदार किया है, उनके खिलाफ कार्यवाही की जाना चाहिए । हरदा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने स्थानीय राजपूत छात्रावास में करणी सेना और राजपूत समाज के लोगों से पूरी घटना को लेकर जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद समाजजन को संबोधित करते हुए कहा कि करणी सेना के पांच निहत्थे लोगों को घेरकर पुलिस ने मारपीट की है।

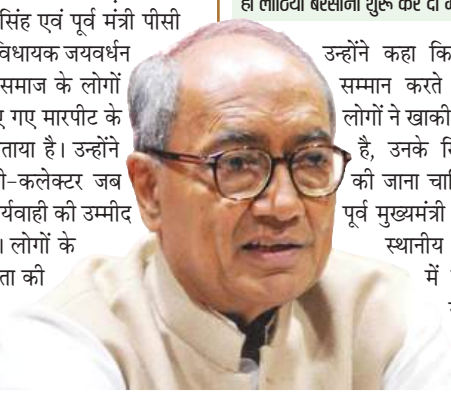

करणी सेना के कृत का कड़ा विरोध

किसी आरोपी को ऐसे नहीं मारा गया होगा, जिस तरह करणी सेना के सदस्यों को मारा गया। मैं करणी सेना का सदस्य नहीं हूं, लेकिन करणी सेना के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं पर जो जुल्म किया गया है, मैं उसका विरोध करता हूं। मेरी खुद जीवन सिंह शेरपुर से बात हुई तो उन्होंने बताया कि उन्हें अधिकारी खुद लेने आए। अधिकारियों ने कहा कि युवाओं को समझाकर चक्काजाम समाप्त कराया जाए। और जब वे यहां पहुंचे तो उन पर कार से उतरते ही लाठियां बरसानी शुरू कर दी गई थीं।

स्थानीय प्रशासन अन्याय कर रहा है : जयवर्धन सिंह

दिग्विजयसिंह के साथ मौजूद राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने समाजजन से कहा कि हरदा में जो घटना घटी है वह बहुत ही दुःखद और निंदनीय है। आज से दो दिन पहले हरदा का एक युवा आशीष राजपूत जिसका किसी अन्य व्यक्ति के साथ लेन-देन को लेकर विवाद हुआ, उसको न्याय नहीं मिला। स्थानीय प्रशासन द्वारा उसके साथ न्याय नहीं हुआ है। हर युवा और किसी के पास भी न्याय पाने का अधिकार रहता है। हरदा का प्रदर्शन शांतिपूर्ण था। कहीं पर भी करणी सेना या राजपूत समाज ने हिंसा नहीं की थी। उन्होंने बताया कि उनकी बात जीवन सिंह शेरपुर से भी हुई थी। हरदा में जैसे ही वे कार से बाहर निकलते हैं उन पर लाठीचार्ज कर दिया जाता है। पुलिस ने बेरहमी से उन पर लाठियां बरसाईं। करणी सेना के कई युवाओं से उनकी बात हुई है। जेल में भी उनके साथ मारपीट की गई है। राजपूत समाज में एक शोकसभा के लिए लोग जुटे थे, जहां पर भी पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कई युवाओं को शरीर में फ्रैक्चर आया है। जो भी दोषी अधिकारी या कर्मचारी हैं, उन पर एफआईआर दर्ज करनी चाहिए।

बिहार के लोगों का वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगा रहे मोदी : प्रशांत किशोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुपौल। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने एक बार फिर भाजपा, जदयू और राजद पर करारा हमला बोला है। महदीपुर मेला ग्राउंड में आयोजित बिहार बदलाव सभा के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में सत्ता पक्ष और विपक्ष डर की राजनीति कर रहा है। भाजपा और जदयू वाले राजद का डर दिखा कर वोट मांग रहे हैं और राजद भी भाजपा-जदयू का डर दिखा रहा है।

बिहार में शिक्षा और रोजगार की बेहतरी के साथ ही पलायन रोकने को लेकर इनके पास कोई विजन नहीं है। ऐसे में डरने के बजाय अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के विषय में सोच कर वोट करने की हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोगों ने पीएम मोदी को मंदिर के लिए वोट दिया, वो बन गया। जाति के नाम पर वोट दिया तो नीतीश कुमार ने जाति गणना करा दिया। लेकिन, पीएम मोदी बिहार के लोगों का वोट लेकर और देश भर का पैसा लेकर अपने राज्य गुजरात में फैक्ट्री लगवा रहे हैं। आपने अभी तक अपने बच्चों के लिए वोट नहीं दिया। इसलिए आपके बच्चे मोदी के गुजरात में जाकर उन्हीं फैक्ट्रियों में मजदूरी कर रहे हैं।

जनसुराज पार्टी ने पीएम से किए सवाल

हंगामा मचा, उठने लगे सियासी सवाल

वरिष्ठ नेता की बेइज्जती से मुस्लिम चेहरों में नाराजगी!

» अखिलेश के मंच पर धकियाए गए मुस्लिम एमएलए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव सपा के गढ आजमगढ़ में मौजूद थे। जहां से उन्होंने 2027 चुनाव फतह करने के लिए बिगुल फूंका। वहीं आजमगढ़ में अखिलेश की मौजूदगी से सपाईयों का उत्साह चरम पर था। बता दें कि उत्साह सातवें आसमान पर इसलिए भी था कि पूरे पूर्वांचल को साधने के लिए अखिलेश यादव ने आजमगढ़ को ही अपना घर बना लिया है। जिसके लेकर पार्टी दफ्तर के उद्घाटन के लिए भव्य कार्यक्रम रखा गया। जिसकी कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इसमें से सबसे खास ये तस्वीर है।

बता दें कि जब अखिलेश यादव मंच पर थे। तब मंच सपा के दिग्गजों से खचाखच भरा था। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ कि अखिलेश यादव और सपा को सोशल मीडिया पर घेरा जाने लगा वहीं इन तस्वीरों में आप देखिए कि कैसे एक बुजुर्ग जो टोपी लगाए मंच पर दिखाई देते हैं। उनको किस तरह धकिया दिया जाता है। इधर अखिलेश यादव का मंच पर संबोधन खत्म होता है। उधर उनके स्वागत का एलान होता। उधर सारे सपाई दिग्गज उनको घेर कर खड़े हो जाते हैं। भारी भरकम माला आती है। ऐसे में भयंकर भीड़ में साइड कर दिए जाते हैं सपा के सबसे बुजुर्ग नेता और 5 बार के विधायक आलम बदी जी।

वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल

वहीं आलम बदी को धकेले जाना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। इस मामले पर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक यादव ने कहा कि आलम बदी आजमी हमारी पार्टी के बुजुर्ग नेता हैं और इस उम्र में भी वह बहुत चुस्त रहते हैं। भीड़ की वजह से उनका पैर फिसल गया है, इस वीडियो में उनका धक्का दिए जाने का कोई आशय नहीं दिख रहा है। बात को बढ़ा चढ़ा कर बताया जा रहा है इसी के साथ सोशल मीडिया पर तमाम लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं भी दी है। आपको बता दें कि लक्ष्मण यादव ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि नेता वही जो वैचारिक साथियों को न भूले, समाजवाद वही जो बुजुर्गों का मान करे।

आलम बदी को बोलने से रोका गया

वहीं इससे पहले आलम बदी जब मंच पर संबोधन कर रहे थे। अकिलेश यादव मंच पर बैठे मुस्कुरा रहे थे। तब भी आलम बदी को मंच पर बोलने के लिए मना करने के लिए इशारा किया। जिसका जबाब देते हुए बरिष्ठ मुस्लिम नेता और पांच बार के विधायक आलम बदी ने मंच से ही साफ तौर पर कहा कि अरे बोलने तो दीजिए।आपको बता दें कि ये सब तब हुआ जब अखिलेश यादव खुद मंच पर मौजूद थे। उनकी आंखों के सामने पार्टी के वरिष्ठ मुस्लिम नेता की मंच पर हुई उपेक्षा हुई। जिसके बाद उनके रवैये को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोग सवाल कर रहे हैं कि जिस नेता ने अपना सारा जीवन सपा के लिए खपा दिया। उसी के साथ मंच पर इस तरह धक्का-मुक्की हुई। वो जितने वरिष्ठ विधायक हैं। उन्हें तो वैसे ही आगे जगह देनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा करने के बजाय उन्हें पीछे धकेल दिया गया क्या यहीं सपा की पीडीए हैं। सपा में मुस्लिमों की बस यहीं स्थिति बची है।

मुस्लिमों के बड़े नेताओं में काफी नाराजगी

वहीं इस घटना के बाद मुस्लिमों के बड़े नेताओं में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। इस घटना पर राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल से जुड़े नुरुल हुदा ने कड़ी प्रक्रिया दी। और कहा कि 22 फीसदी वाला मुसलमान सपा में सिर्फ दरी बिछाने का काम कर रहा है। जबकि 7 फीसदी वाला यादव प्रदेश का नेतृत्व कर रहा है। मुसलमान को अपनी सोच बदलनी होगी। नहीं तो मुसलमान सिर्फ दरी बिछाएगा। और अखिलेश यादव के लिए अपनी जवानी को कुर्बान करेगा।आज आलम बदी के साथ जो हुआ उससे आजमगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का मुसलमान आहत है उन्हें अपमानित होना पड़ा जो घोर निंदनीय है। आपको बता दें कि इस घटना ने सपा के पीडीए पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।जिसको लेकर तमाम तरह की बातें की जा रही हैं। वहीं अब देखना होगा इस मामले के बाद अखिलेश यादव क्या करते हैं। अपने पीडीए को किस तरह से जीवंत करते है। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

आमजन ने भी उठाए सवाल

वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि निज़ामाबाद, आज़मगढ़ से पाँच बार के विधायक 93 वर्षीय आलम बदी साहब के साथ जो कुछ मंच पर हुआ। वो समाजवादी पार्टी के चेहरे से नक़ाब हटाने के लिए काफ़ी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में, उन्हीं की पार्टी के नेता धर्मेंद्र यादव और कुछ टुच्चे लटकन नेतागण ने मंच पर एक बुजुर्ग और सम्मानित मुस्लिम नेता के साथ धक्का मुक्की की। आलम बदी साहब को न सिर्फ़ उनके क्षेत्र में, बल्कि सदन में पक्ष-विपक्ष के लोग बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन समाजवादी पार्टी में अब शायद बुजुर्गों का। मुसलमानों का और शिष्टाचार का कोई मोल नहीं बचा।

आलमबदी के लिए जनता की सेवा ही राजनीति

आजमगढ़ के वरिष्ठ समाजवादी विधायक आलमबदी राजनीति के उस दौर के अगुआ हैं। जब नेता बनना मतलब था जनता की सेवा करना। न कि सत्ता की दौड़ में शामिल होना। उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत संघर्ष से की। जेपी आंदोलन और समाजवादी आंदोलनों में भाग लिया, लाठियाँ खाईं, जेल गए, मगर समाजवादी विचारों से कभी समझौता नहीं किया। आज जब राजनीति में दलबदल और दिखावे का दौर है। तब भी वे समाजवादी पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा से जुड़े रहे। उनकी सबसे बड़ी पहचान है उनकी सादगी और सहजता। धोती-कुर्ता पहनने वाले, चप्पल में चलने वाले आलमबदी जी आज भी आम जनता से वैसे ही मिलते हैं। जैसे अपने घर के लोग मिलते हैं। उनका जीवन हमारे दौर की नई पीढ़ी को सिखाता रहेगा कि असली मात्र समाजवाद जुबानी नहीं। ज़मीन पर खुद की जीवनशैली में उतारने से आता है। वे विधायक ही नहीं, समाजवादी मूल्य और संघर्ष की चलती-फिरती मिसाल हैं। ऐसे नेताओं का सम्मान करना सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं। बल्कि उस सोच का सम्मान है। जो राजनीति को सेवा और संघर्ष का माध्यम मानती है। समाजवाद में समता, संपन्नता, सहृदयता, सदाशयता, संवेदनशीलता का ये दृश्य लंबे वक्त तक एक नजीर पेश करता रहेगा।

ब्राह्मणों ने घरों के बाहर लगाया काला झंडा

इटावा कांड के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ दिए जा रहे बयान से ब्राह्मण समाज के लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। आजमगढ़ में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर की दूरी पर अनवरगंज में बने अपने आवास और कार्यालय का उद्घाटन करने आ रहे हैं. इसके पूर्व ब्राह्मण समाज के लोगों ने अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा और विश्व हिंदू महासंघ के आह्वान पर आज सुबह से ही जिले के अलग-अलग स्थानों पर अपने घरों में काला झंडा लगाकर विरोध जताया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव का आगमन कंधरापुर थाना क्षेत्र के अनवरगंज में हो रहा है और इसी थाना क्षेत्र के ब्राह्मण बाहुल्य बस्ती उगर पट्टी, चेवता और गौरी नारायणपुर गांव में ब्राह्मण परिवारों ने अपने घरों में सुबह से ही काला झंडा लगाया. वहीं रौनापार थाना क्षेत्र के बनहरा, मुबारकपुर थाना क्षेत्र के गजहड़ा, देवगांव थाना क्षेत्र के चेवार और दीदारगंज थाना क्षेत्र के ब्राह्मण बहुल गांव पलथी में भी ब्राह्मण परिवारों ने अपने घरों में काला झंडा लगाकर अखिलेश यादव के

आजमगढ़ आगमन का विरोध किया. इस तरह से जिले के सैकड़ो ब्राह्मण परिवारों ने अपने घरों में काला झंडा लगाकर सपा सुप्रीमो का विरोध किया।ब्राह्मण समाज के लोगों का कहना है कि इटावा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसमें जो भी दोषी है पुलिस प्रशासन उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है. बावजूद इसके अखिलेश यादव ने पूरे ब्राह्मण समाज को कटघरे में खड़ा कर दिया है जो बेहद निंदनीय है. ब्राह्मण समाज के लोगों का कहना है कि गांव में यादव समाज के साथ ही सभी समाज के लोग भाईचारे के साथ रहते हैं लेकिन अखिलेश यादव के इस बयान के बाद से ब्राह्मण और यादव समाज के बीच खाई पैदा हो गई है. सपा प्रमुख ने राजनीतिक लाभ के लिए यह बयान दिया जो उचित नहीं है. ब्राह्मण समाज के लोगों का कहना है कि हम लोग काला झंडा लगाकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। दरअसल, आजमगढ़ समाजवादी पार्टी का मजबूत गढ़ है जिले की सभी 10 विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है. जबकि जिले के दो सांसद भी समाजवादी पार्टी से हैं ऐसे में अपने गढ़ में अखिलेश यादव जब 2027 के विधानसभा चुनाव की

आजमगढ़ में अपने आवास उद्घाटन समारोह में पहुंचे थे सपा प्रमुख

आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को आजमगढ़ में अपने आवास उद्घाटन किया। जिसका नाम सपा ने पीडीए रखा। वहीं इस कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। लेकिन, तभी कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद सपा के पीडीए पर ही सवाल उठने लगे हैं। अखिलेश यादव के साथ मंच पर सपा के वरिष्ठ मुस्लिम विधायक आलम बदी भी मौजूद थे। लेकिन माला पहनाने के दौरान उन्हें धकेल कर सबसे पीछे कर दिया गया। दरअसल स्वागत के दौरान मंच पर अखिलेश यादव के साथ कई सपा नेता मौजूद थे। इनमें सपा के पांच बार के बार के विधायक 93 वर्षीय आलम बदी भी मौजूद थे। आलम बदी धर्मेंद्र यादव के बगल में खड़े थे स्वागत के दौरान वो आगे आना चाहते थे लेकिन, धर्मेंद्र यादव ने उन्हें आगे नहीं आने दिया और उन्होंने फिर आगे बढ़ाने की कोशिश की। तो विधायक संग्राम यादव ने उन्हें किनारे ढकेल दिया। सपा नेताओं ने अखिलेश यादव के साथ मंच शेयर करने के चक्कर में उन्हें सबसे पीछे कर दिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

डिजिटल तकनीकी का दुरुपयोग चिंता की बात

विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना।

दुनिया में डिजिटल तकनीकी का बोलबाला है। जहां यह डिजिटल व्यवस्था लाभकारी है वहीं यह कई मामलों में नुकसान भी पहुंचा रहा है। सबसे ज्यादा इसका दुरुपयोग अपराधी गतिविधियों में किया जा रहा है जो खतरनाक संदेश । अभी हाल में टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है।

रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हर बिहारी नागरिक का मताधिकार हो सुनिश्चित

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताहांत पंजाब के उन खेतों, कारखानों और घरों में राहत की सांस ली गई जहां प्रवासी बिहारी मजदूर काम करते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग को अपनी टिप्पणी में कहा है कि उसे मतदाता की पात्रता सिद्ध करने में आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र के इस्तेमाल की भी इजाजत देनी चाहिए ताकि नवंबर के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जब वे कतार में लगें तो सांस अटकी न रहे। यह कहना कि पंजाब-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और देश के शेष हिस्सों का भी - बिहार चुनाव से संबंध है, स्वाभाविक बात है। बिहारी - और साथ ही उत्तर प्रदेश के लोग - पूरे उत्तर भारत में सब तरफ आमतौर पर दिखाई देते हैं।

वे उन खेतों को जोतते हैं जो मुख्यत: पंजाबी कौम के हैं। वे कस्बों और शहरों में काम करते हैं और तमाम वे काम करते हैं, जो कनाडा की 'खोज' करने से पहले पंजाबी कभी खुद किया करते थे। किसी शख्स द्वारा उनके बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बावजूद, हमारा उनके बिना गुजारा नहीं हो सकता। इसीलिए हमें तीन दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस धूलिया और जस्टिस बागची द्वारा कही गई बातों पर कहीं ज्यादा ध्यान देना चाहिए। वह यह कि अगर भारत को सभी लोकतंत्रों की जननी का अपना खिताब कायम रखना है - जैसा कि उसने हिंसात्मक विभाजन के बाद 1951 में हुए पहले चुनाव आयोजन के बाद से करने का प्रयास किया है - तो उसे 18 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बिहारियों को वोट देने की अनुमति देनी चाहिए, जैसा कि वे पिछले दशकों में करते आए हैं। यह समझ से परे है कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा करने में इतनी देर तक यानि 24 जून तक इंतजार क्यों किया। कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग के ऐसा करने के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के एक अंग्रेजी समाचारपत्र में लिखे लेख में महाराष्ट्र में 'चुनाव में हेराफेरी' के बारे की गई तीखी टिप्पणियों से बनी उकसाहट है।

उस लेख में राहुल ने कहा कि अन्य मानदंडों के बीच, भाजपा ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से 89 प्रतिशत पर जीत हासिल की, जबकि केवल चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में उसे केवल 32 प्रतिशत सीटों पर ही विजय मिली थी। वहीं कुछ अन्य को यकीन है कि चुनाव आयोग की घोषणा का समय महज एक संयोग था।

बहरहाल, यह ऐलान आश्चर्यजनक था। शायद चुनाव आयोग का मानना हो कि यह समय एकदम उचित है। क्योंकि बिहार मतदाता सूचियों में आखिरी बार पुनरीक्षण 2003 में हुआ था और तब से लेकर अब तक पांच लोकसभा चुनाव हो चुके हैं।

इसलिए तमाम चूकों और कमियों को संशोधित और दुरुस्त करने का सबसे उपयुक्त समय यही है। अगर ऐसा है भी, तब भी अड़चन पैदा करने वाली शर्तें क्यों ठोकनी? सर्वप्रथम, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनाव आयोग खुद जारी करता है) और सर्वव्यापी राशन कार्ड को अमान्य बना दिया, जिसका कोई तुक नहीं। दूसरा, बिहार के 7.89 करोड़ मतदाताओं से विस्तृत जानकारी मांगना जैसे कि पिता और माता के जन्मस्थान को 'दस्तावेजी साक्ष्य' से सिद्ध करना। इससे लगने लगता है कि मानो चुनाव आयोग नागरिकता का प्रमाण मांग रहा हो। तीसरा, चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह 1 अगस्त को संशोधित मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित करेगा, जिसका मतलब है कि बिहारियों के पास अपनी जानकारी जुटाने के लिए बमुश्किल पांच हफ्ते का समय है।

अब बड़ी संख्या में बिहारी कामगार, जो पंजाब के खेतों में या महाराष्ट्र के निर्माण स्थलों पर मजदूरी कर रहे हैं, उनके लिए यह कैसे संभव होगा? क्या वे अपना कामकाज छोड़कर किसी नज़दीकी साइबर कैफे में जाकर यह खंगालते फिरें कि उनका नाम सूची में है या नहीं? इसीलिए कई प्रतिष्ठित लोगों, जिसमें एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) जैसे संगठनों के अलावा राजनेता जैसे कि महुआ मोइत्रा और मनोज कुमार झा (वे द ट्रिब्यून में भी लिखते हैं) शामिल हैं, ने सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर कर दी। इस प्रक्रिया पर रोक न लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने सही ही किया है।

सत्यापन के लिए चुनाव आयोग द्वारा पहले से बताए गए 11 दस्तावेजों के अतिरिक्त तीन और दस्तावेज शामिल करने का सुझाव देने के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय ने कई और प्रश्न पूछे हैं, जिनमें यह भी शामिल है 'क्या चुनाव आयोग के पास मतदाताओं से नागरिकता का प्रमाण मांगने का अधिकार है?' यह सवाल कि कौन भारतीय है और कौन नहीं, कई दशकों से चला आ रहा है। जब 1946 में विदेशी अधिनियम पारित हुआ - जिसने विभाजन से पहले वाली सरकार को अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने का अधिकार दिया।

प्रगतिशील सुधार आंदोलन बदलेगा सामंती सोच

वर्ण व्यवस्था व पितृ सत्ता को खत्म करने के लिए जाति व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सत्याग्रह, संघर्ष, अभियान, आंदोलन चलाते हुए हमारे यहां नागरिक समाज का निर्माण हो। जहां इंसान की मानवीय गरिमा व लोकतांत्रिक अधिकार जाति, धर्म, लिंग भेद से ऊपर हों।

डॉ. जगमति सांगवान

सपनों के शहर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में 25 वर्षीय राधिका यादव के सपनों का इतना दर्दनाक अंत बहुत ही झकझोर देने वाली घटना है। मिलेनियम सिटी, उसका सुशांत लोक संभवत: सबसे पाश इलाका। उसमें एक जानी-मानी टेनिस खिलाड़ी, उसके लाइसेंसी रिवाल्वर रखने वाले पिता के द्वारा किचन में काम करते हुए पीछे से 5 गोलियां दागकर हत्या। इस अपराध का पूरा प्रोफ़ाइल हरियाणा में रियल-एस्टेट, बिल्डर, प्रॉपर्टी डीलर आदि के अनाप-शनाप धंधों से अच्छा खासा पैसा बनाकर तथाकथित आधुनिक जीवन जीने की लालसा रखने वाले तथा सामंती व पितृ सत्तात्मक विचारों से उस पर इज्जत का मुलम्मा चढ़ाने वाले लोगों के विखंडित व्यक्तित्व का कॉकटेल है। वैसे तो इज्जत के नाम पर ऐसी हत्याएं हमारे समाज की मुख्य धारा के लोगों की भी समस्याएं हैं, लेकिन भले ही इधर-उधर हाफले मारकर इन नवधनाढ्यों ने 21वीं सदी के अमीरों वाली सुविधा जुटा ली है परंतु मानसिकता अभी भी 18वीं सदी में खड़ी है।

ये अपनी बीवी बेटियों को अपनी संपत्ति समझते हैं जिन्हें वह जैसे चाहें बरत सकते हैं। इनके जीवन-मूल्य सिविल सोसायटी या नागरिक समाज की संगति में नहीं बने-ढले। बल्कि सामंतवाद पर आरोपित पूंजीवादी आधुनिकता में रचे बसे हैं। हरियाणा की बेटियों को खेलों के माध्यम से ज्ञान (एक्स्पोज़र) व ताकत दोनों मिले हैं वे भी न्याय के लिए शीर्ष राजनीति या पितृसत्ता से टकराते हुए ज्यादा आगे-पीछे की नहीं सोच रही। फिर चाहे वह शिक्षा डागर, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक या राधिका यादव कोई भी हो। इस केस में क्योंकि पिता नवधनाढ्य वर्ग से आता है जो सोचते हैं 'हमने क्या-क्या जलालत झेलकर इनके लिए ये सुख-सुविधाएं जुटाई और आज यही आगे से जवाब देते हैं।' तो यहां एक अतिरिक्त असहिष्णुता का पुट भी है। लेकिन खिलाड़ी लड़कियां, जिनके खेलों के माध्यम से सशक्त व्यक्तित्व बने हैं वो आसानी से हथियार डालते नजर नहीं आ रही।

हरियाणा की जूनियर कोच जिस पर पूर्व खेल मंत्री द्वारा यौन हमले का आरोप है उसने उसका दमन करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। उसके बावजूद आज तक कोर्ट में उसके सामने डटी खड़ी है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट बिना आगे पीछे की परवाह किए यौन शोषण आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण को बचाने वाली सरकार के खिलाफ सीधा जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गई। वे बृजभूषण को सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर घसीट कर ले आई। यहां राधिका यादव के पिता ने भी जो मीडिया में आया है उसके हिसाब से कई बार उसे रील न बनाने व खेल एकेडमी बन्द करने का आदेश दिया।

राधिका ने रील बनाना तो बन्द कर दिया मगर अपनी पसन्द का काम नहीं छोड़ा। वैसे भी किचन में काम कर रही राधिका पर पीछे से पीठ में गोलियां दागी हैं। शायद पिता को यह अंदेशा रहा हो कि अगर आमने-सामने होंगे तो मुमकिन है राधिका बच निकले या पलटवार करे। राधिका की हत्या अंतिम रूप में इज्जत के नाम पर की गई हत्या है। दीपक यादव कह रहा है कि लोग उसे ताने देते थे कि 'बेटी की खेल अकेडमी की कमाई खा रहा है जो रोज रीलें बनाती है यह मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ।' यही तो इज्जत के नाम पर की जाने वाली हत्याओं का उद्गम-स्थल है। जब कोई व्यक्ति विशेष जीवन के किसी भी क्षेत्र में समाज की स्वीकार्य आचार संहिताओं से अलग व्यवहार करता है तो समाज द्वारा अलग-अलग तरीके से उसका विरोध किया जाता है। मगर सामान्य बुद्धि के लोग ज्यादा समाज व धर्म भीरु होते हैं। उदाहरण के तौर पर इसी केस में दीपक यादव ने कभी किसी ताना देने वाले पर हमला नहीं किया मगर अपनी बेटी की तो जान ही ले ली।

किसको नहीं पता कि दहेज व महिला असुरक्षा की वजह से लड़की की भ्रूण हत्या होती है। मगर यह समाज दहेज के खिलाफ या महिला सुरक्षा के लिए लड़ने की बजाय लड़कियों की गर्भ में ही हत्या करने में गुरेज नहीं करता। आज नहीं तो कल इस सामाजिक मानसिकता को संविधान की संगति में ढालने के काम की चुनौती यहां के लोगों को स्वीकार करनी ही पड़ेगी। हमें समझना होगा कि अपने से अलग मत को भी सहन करते हुए लोकतंत्र में सामाजिक सहअस्तित्व की जगह निकालनी होती है। इसके लिए प्रदेश में एक प्रगतिशील समाज सुधार आंदोलन की जरूरत को रेखांकित करना होगा। जिसमें वर्ण व्यवस्था व पितृसत्ता को खत्म करने के लिए जाति व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सत्याग्रह, संघर्ष, आंदोलन चलाते हुए हमारे यहां नागरिक समाज का निर्माण हो। जहां इंसान की मानवीय गरिमा व लोकतांत्रिक अधिकार जाति, धर्म, लिंगभेद से ऊपर हों। दीपक जैसे लोगों को पता है कि गवाह, सबूत के अभाव में वे सजा से बच सकते हैं। इसलिए अब कानून का ड्राफ्ट आगे बढ़ाना ही चाहिए। कानून के अभाव में भी इतने निर्मम समाजभीरु व धर्मभीरुओं को उदाहरणीय सजा सुनिश्चित करवाने के लिए पुलिस को अभी से इस केस में एहतियाती कदम उठाने होंगे।

मानसून की डाइट में जरूर शामिल करें ये चीजें

मानसून का मौसम अपने साथ ठंडी हवा और चारों ओर की मनमोहक हरियाली लेकर आता है, जो गर्मी से एक सुखद राहत दिलाती है। लेकिन, इस खूबसूरत मौसम का एक दूसरा पहलू भी है, यह अपने साथ बढ़ती नमी, बैक्टीरिया और विभिन्न संक्रमणों का खतरा भी लाता है। ऐसे में इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस दौरान सही आहार लेना बहुत जरूरी है, जो न केवल हमें स्वस्थ रखता है, बल्कि मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी, खांसी, फ्लू और पाचन संबंधी समस्याओं से भी बचाता है। हमारी रसोई में ही कई ऐसे सुपरफूड्स छिपे हैं जो हमें इस मौसम में फिट और ऊर्जावान बनाए रख सकते हैं। तो आप मानसून में अपनी डाइट में यदि ये चीजें शामिल करेंगे तो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

मौसमी फल

मानसून में ताजे और मौसमी फल जैसे जामुन, अनार, नाशपाती और सेब को अपने डाइट में शामिल करें। ये फल विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। जामुन और अनार पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। खट्टे फल जैसे संतरा भी इस मौसम में लाभकारी होते हैं। फलों को अच्छे से धोकर खाएं, ताकि बैक्टीरिया या कीटाणुओं का खतरा न रहे।

गर्म सूप और हर्बल चाय

मानसून में गर्म सूप और हर्बल चाय शरीर को गर्म रखने और इम्यूनिटी बढ़ाने का शानदार तरीका हैं। टमाटर, मशरूम या मिक्स वेजिटेबल सूप विटामिन और खनिजों से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देता है। तुलसी, अदरक, या पुदीने की हर्बल चाय पीने से सर्दी-खांसी से बचाव होता है और गले की खराश में राहत मिलती है। ये पेय पाचन को बेहतर बनाते हैं और नमी के कारण होने वाले इंफेक्शन से बचाते हैं।

अदरक और हल्दी

मानसून में अदरक और हल्दी को अपने आहार का हिस्सा बनाएं। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सर्दी-जुकाम और गले की खराश से बचाते हैं। इसे चाय, सूप या सब्जियों में डालकर खाएं। हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और इंफेक्शन से लड़ने में मदद करता है। इस मौसम में हल्दी वाला दूध पीना सेहत के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है।

प्रोबायोटिक्स युक्त खाद्य पदार्थ

मानसून में नमी के कारण पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपच और दस्त होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में दही, छाछ और प्रोबायोटिक युक्त खाद्य पदार्थ आंतों को स्वस्थ रखते हैं और पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करते हैं। दही में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया आंतों में हानिकारक बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते हैं। साथ ही, फर्मेंटेड फूड्स जैसे इडली या ढोकला भी इस मौसम में फायदेमंद होते हैं।

हंसना मना है

टीचर- एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी....बच्चा- एक भी नही, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी...! बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है...

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

वकील- हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी- मेरा चश्मा कहां है संगीता...? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...पत्नी- मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

एक सज्जन बता रहे थे कि वो पिछले 20 सालों से गीता के उपदेश सुनते आ रहे हैं...! पता करने पर पता चला कि गीता उनकी धर्मपत्नी का नाम है...!!!

यमराज (औरत से)- चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत- बस दो मिनट दे दो। यमराज- दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी... औरत - फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...!!!

कहानी — लालच

किसी गांव में एक धनी सेठ रहता था उसके बंगले के पास एक मोची की छोटी सी दुकान थी। उस मोची की एक खास आदत थी कि जो जब भी जूते सिलता तो भगवान के भजन गुनगुनाता रहता था लेकिन सेठ ने कभी उसके भजनों की तरफ ध्यान नहीं दिया। एक दिन सेठ व्यापार के सिलसिले में विदेश गया और घर लौटते वक्त उसकी तबियत बहुत खराब हो गयी। लेकिन पैसे की कोई कमी तो थी नहीं सो देश विदेशों से डॉक्टर, वैद्य, हकीमों को बुलाया गया लेकिन कोई भी सेठ की बीमारी का इलाज नहीं कर सका। अब सेठ की तबियत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही थी। एक दिन वह घर में अपने बिस्तर पे लेटा था अचानक उसके कान में मोची के भजन गाने की आवाज सुनाई दी, आज मोची के भजन कुछ अच्छे लग रहे थे सेठ को, कुछ ही देर में सेठ इतना मंत्रमुग्ध हो गया कि उसे ऐसा लगा जैसे वो साक्षात परमात्मा से मिलन कर रहा हो। मोची के भजन सेठ को उसकी बीमारी से दूर ले जा रहे थे कुछ देर के लिए सेठ भूल गया कि वह बीमार है उसे अपार आनंद की प्राप्ति हुई। कुछ दिन तक यही सिलसिला चलता रहा, अब धीरे धीरे सेठ के स्वास्थ्य में सुधार आने लगा। एक दिन उसने मोची को बुलाया और कहा- मेरी बीमारी का इलाज बड़े-बड़े डॉक्टर नहीं कर पाये लेकिन तुम्हारे भजन ने मेरा स्वास्थ्य सुधार दिया ये लो 1000 रुपये इनाम, मोची खुश होते हुए पैसे लेकर चला गया। लेकिन उस रात मोची को बिल्कुल नींद नहीं आई, इतने सारे पैसों को कहां छुपा कर रखूं और इनसे क्या क्या खरीदना है? इसी सोच की वजह से वह अगले दिन काम पे भी नहीं जा पाया। अब भजन गाना तो जैसे वो भूल ही गया था, मन में खुशी थी पैसे की। अब तो उसने काम पर जाना ही बंद कर दिया और धीरे धीरे उसकी दुकानदारी भी चौपट होने लगी। इधर सेठ की बीमारी फिर से बढ़ती जा रही थी। एक दिन मोची सेठ के बंगले में आया और बोला सेठ जी आप अपने ये पैसे वापस रख लीजिये, इस धन की वजह से मेरा धंधा चौपट हो गया, मैं भजन गाना ही भूल गया। इस धन ने तो मेरा परमात्मा से नाता ही तुड़वा दिया। मोची पैसे वापस करके फिर से अपने काम में लग गया। और कुछ ही समय में फिर से अपने भजनों ओर दैनिक कार्यों में व्यस्त हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें।

वृषभ — मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। समय की अनुकूलता है।

मिथुन — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा।

कर्क — शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

सिंह — आय में वृद्धि होगी। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा।

कन्या — नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

तुला — कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक — प्रसन्नता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

धनु — दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

मकर — सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ — स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। विवेक से कार्य करें।

मीन — नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | एलान

सिनेमाघरों में फिर लौटेगी फिल्म 'भाग मिल्खा भाग'

भारत के इतिहास के महान एथलीट रहे मिल्खा सिंह की कहानी को निर्देशक ओम प्रकाश मेहरा ने साल 2013 में उनकी बायोपिक भाग मिल्खा भाग के जरिए बड़े पर्दे पर उतारा था। इस मूवी ने अपनी शानदार कहानी और फरहान अख्तर के दमदार अभिनय के दम पर ये मूवी ऑडियंस को खूब पसंद आई। अब इस मूवी को सिनेमाघरों में री-रिलीज करने की तैयारी की जा रही है, जिसे देश के चुनिंदा थिएटर्स में पेश किया जाएगा। आइए इस मामले को थोड़ा और विस्तार से जानते हैं। फिल्म भाग मिल्खा भाग में मिल्खा सिंह के जीवन का सार दिखाया गया था। इस तरह से विभाजन के बाद उनका जीवन पूरी तरह से घूम गया और बाद में वह कैसे आर्मी ऑफिसर रहकर भारत के सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनकर उभरे। इस ताने-बाने को बड़े ही शानदार तरीके से राकेश ओम प्रकाश मेहरा ने मूवी में पेश किया। 11 जुलाई 2013 को भाग मिल्खा भाग यानी फ्लाइंग सिख की कहानी सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। अब 12 साल पूरे होने की खुशी में मेकर्स इसे थिएटर्स में दोबारा से रिलीज करने जा रहे हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार पीवीआर और आईनॉक्स जैसे मल्टीप्लेक्सेज में 18 जुलाई से भाग मिल्खा भाग दोबारा से देखने को मिलेगी। भाग मिल्खा भाग की री-रिलीज को लेकर अभिनेता फरहान अख्तर ने कहा है- मिल्खा सिंह की बायोपिक में काम करना मेरे लिए बड़ी ही सम्मान की बात थी। ये एक ऐसी कहानी थी, जिसके बारे में हर भारतवासी का जानना जरूर था। ऐसे में अब जब ये फिर से थिएटर्स में लौट रही है तो यकीनन तौर पर रोमांच दोगुना देखने को मिलेगा। बता दें कि फरहान ने ही इस फिल्म में मिल्खा सिंह की भूमिका को अदा किया था। बॉक्स ऑफिस पर भाग मिल्खा भाग की बेहतरीन कहानी का जादू बखूबी चला था। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से इसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। गौर किया जाए इसके घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो वह 109 करोड़ रहा। जबकि वर्ल्डवाइड इस मूवी का कारोबार 170 करोड़ के आस-पास रहा था।

चिरंजीवी की विश्वम्भरा में मौनी रॉय बिखेरेंगी जलवा

मेगास्टार चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित फंतासी ड्रामा फिल्म विश्वम्भरा को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। फिल्म में एक स्पेशल सॉन्ग होगा, जो खासतौर चिरंजीवी और एक एक्ट्रेस पर फिल्माया जाएगा। जानिए कौन सी अभिनेत्री चिरंजीवी के साथ करेंगी डांस।

123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, विश्वम्भरा की टीम चिरंजीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय के साथ एक खास गाना शूट करने वाली है। यह गाना चिरंजीवी की पुरानी हिट फिल्म कैदी के मशहूर गाने रागुलुथोंडी मोगालीपोड़ा का रीमिक्स बताया जा रहा है। इस गाने के बारे में जल्द ही और जानकारी सामने आएगी।

इस फिल्म में कॉलीवुड अभिनेत्री तृषा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म लगभग पूरी हो चुकी है और खबर है कि इसे 25 सितंबर को रिलीज करने की योजना है, हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। विश्वम्भरा में कुणाल कपूर, आशिका रंगनाथ, सुरभि पुराणिक, ईशा चावला जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस बड़ी फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स के बैनर तले हो रहा है और इसका निर्देशन मल्लिदी वशिष्ठ कर रहे हैं। फिल्म का संगीत एमएम कीरवानी दे रहे हैं।

आखिरी बार मौनी रॉय फिल्म द भूतनी में नजर आई थीं। इस फिल्म में मौनी ने एक भूतनी मोहब्बत का किरदार निभाया था। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में मौनी के अलावा पलक तिवारी, संजय दत्त और सनी सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पांस मिला था। हालांकि, फिल्म में मौनी की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी।

खेसारी लाल यादव की नई फिल्म श्री 420 का लुक हुआ रिलीज

भोजपुरी | मसाला

खेसारी लाल यादव भोजपुरी इंडस्ट्री की धड़कन हैं। उनके गाने हों या फिल्में, दर्शक हमेशा क्रेजी रहते हैं। भोजपुरी सुपरस्टार की नई फिल्म का एलान हो गया है। फिल्म का लुक भी सामने आ चुका है, जिसे देखकर लग रहा है कि आगामी फिल्म में अभिनेता ठग के रूप में नजर आएंगे।

एसआरके म्यूजिक के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ खेसारी की नई फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो शेयर किया गया है। फिल्म का नाम है, श्री 420। फिल्म के नाम के अनुसार ही टीजर भी खूब मजेदार है। इस फिल्म में खेसारी के अलावा मधु शर्मा और श्वेता महारा भी नजर आएंगी। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि खेसारी लाल यादव के लुक के सामने लिखा है, ठगों के सरदार नटवरलाल। स्वैग के साथ वे अपना चश्मा चढ़ाते दिख रहे हैं। इसके साथ धुन बज रही है, ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको हमने ठगा नहीं। फिल्म में संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, श्रद्धा नवल, निशा गुप्ता और उमाकांत राय जैसे सितारे भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म को मधु शर्मा और समीर आफताब प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फर्स्ट लुक देखकर यह कॉमेडी फिल्म मालूम पड़ रही है। फिल्म के निर्देशन की कमान प्रवीण कुमार गदुरी ने संभाली है। वहीं, अंशुमन सिंह फिल्म के सह-निर्माता हैं। फिल्म के फर्स्ट लुक पर नेटिजन्स के रिएक्शन आ रहे हैं। दर्शक काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सुपरहिट मूवी होने वाली है ये। एक अन्य यूजर ने लिखा, हिट मशीन खेसारी लाल या दव का जलवा है।

अजब-गजब | पूरे दिनभर केवल एक किमी. ही चल पा रही थीं गाड़ियां

यहां लगा था दुनिया का सबसे लंबा जाम

अगर आप कभी किसी जाम में फंसे हैं तो आपको पता चलेगा कि यह कितना तकलीफदेह होता है। किसी जाम में फंसना दुनिया के कई शहरों में आम होता जा रहा है। भारत के शहरों में बारिश जाम करवाने में बड़ी भूमिका निभाती। दिल्ली एनसीआर में यह नजारा बारिश के मौसम में बार-बार देखने को मिलता है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे लंबा जाम कितने घंटे का था? आपने कई जाम के चर्चे सुने होंगे पर दुनिया का सबसे लंबा जाम, चीन में हुआ था जिसमें 100 किलोमीटर का दायरे में गाड़ियों कुछ घंटों तक नहीं बल्कि दो दिन तक फंसी रही थीं।

2010 में, चीन के नेशनल हाईवे 110 पर हजारों गाड़ियाँ एकदम थम गईं, जिससे अब तक का प्रसिद्ध चाइना नेशनल हाईवे-110 ट्रैफिक जाम बना, जो 12 दिनों तक चला और 100 किलोमीटर से अधिक तक फैला रहा। जैसा की अक्सर होता है कि इस जाम की वजह भी चीन के भीतरी मंगोलिया से बीजिंग के बीच के हाईवे पर हो रहा निर्माण कार्य था जिसके साथ भारी ट्रैफिक ने जाम लगा दिया जो इतना बड़ा हो गया कि उसकी किसी को उम्मीद भी नहीं होगी। आपको यह जानकर हैरानी होगी, लेकिन इतिहास में सबसे लंबे ट्रैफिक जाम की पहचान करना थोड़ा कठिन है। इसकी वजह ये है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस आधार को प्राथमिकता दे रहे हैं। जैसे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, अब तक का सबसे लंबा ट्रैफिक जाम 1990 में पूर्व और पश्चिम जर्मनी की सीमा पर हुआ था, जिसमें 1.8 करोड़ गाड़ियाँ धीरे-धीरे रुक गई थीं।

अगर हम दूरी की बात करें, तो इस साल फरवरी में उत्तर प्रदेश में हुआ एक ट्रैफिक जाम भी अब तक का सबसे लंबा माना जा सकता है। यह 300 किलोमीटर तक फैला था और मध्य प्रदेश के कई जिलों से होकर गुजरा था, जहाँ लोगों को लगभग 48 घंटे तक बेहद धीमी रफ्तार में गाड़ियाँ चलानी पड़ीं। लेकिन अगर समय को मुख्य मानदंड माना जाए, तो चीन का नेशनल हाईवे 110 ट्रैफिक जाम सबसे लंबा साबित होता है, जो पूरे 12 दिन चला और जहां एक अस्थायी अर्थव्यवस्था तक बन गई थी। चीन के इस हाईवे पर पिछले साल के मुकाबले साल 2010 में ट्रैफिक 40 फीसदी ज्यादा बढ़ गया था।

जाम के समय ट्रैफिक हाईवे की डिजाइन क्षमता का 60 फीसदी पहले से ही चल रहा था। सड़क निर्माण ने इस क्षमता को आधी कर डाला था। इतना ही नहीं भीतरी मंगोलिया में बढ़े कोयला उत्पादन से सैकड़ों कोयले के ट्रकों ने जाम को ज्यादा ही जटिल बनाने में बड़ा योगदान दे दिया। इसकी एक यह भी थी उस समय भीतरी मंगोलिया से रेल सुविधा नहीं थी।

जाम में गाड़ियां रेंगती हैं। लेकिन इस जाम का आलम ही कुछ और था। यकीन करना मुश्किल होगा इस जाम में गाड़ियां एक दिन में केवल एक ही किलोमीटर आगे बढ़ पा रहीं थीं। जाम में फंसे लोगों के लिए जगह-जगह खाने की दुकानें तक खुल गई थी। जैसा कि अन्य जामों में होता है कि जरूरी चीजों के दाम स्थानीय लोगों ने बढ़ा दिए थे। यहां तक कि एक 12 रुपये की पानी की बोतल 180 रुपये में बिक रही थी।

यहां कॉफी में पनीर डालकर पीते हैं लोग, स्वाद तो बढ़ता ही है, सेहत को भी मिलता है फायदा!

कॉफी में थोड़ा दूध या क्रीम मिलाना आम बात है, लेकिन क्या इसके अलावा भी लोग कॉफी में कुछ डालते हैं? इंटरनेट पर कई रेसीपी वाली वेबसाइट पर कॉफी और जायेकेदार बनाने के तरीके मिल जाते हैं। लेकिन दूध या क्रीम का विकल्प आपको नहीं मिलेगा। लेकिन दुनिया में एक जगह कॉफी के साथ किसी चीज को मिलाया जाता है। जी हां, उत्तरी स्वीडन में लोग कॉफी के साथ अलग ही तरह के डेयरी उत्पाद का इस्तेमाल करते हैं। वह है, पनीर। यहां काफेओस्ट के नाम से मशहूर एक अनोखा संयोजन है जिसमें गर्म कॉफी और एक खास तरह का पनीर मिलाया जाता है जिसे लेइपाजूस्तो कहते हैं। लेइपाजूस्तो नाम का मोटे तौर पर मतलब होता है ब्रेड चीज। हालांकि, इस अजीबोगरीब संयोजन में किसी तरह की ब्रेड नहीं होती, सिर्फ पनीर और कॉफी होती है। इसका नाम शायद पनीर की शोषक प्रकृति के कारण पड़ा है, क्योंकि यह कुछ ही मिनटों में कॉफी के स्वाद को अच्छी तरह सोख लेता है। लेइपाजूस्तो स्पंजी बनावट सभी को पसंद नहीं आता, लेकिन कहा जाता है कि स्वाद इसका अनुभव करने लायक होता है। यह सामान्य चेडर चीज की तुलना में काफी मीठा होता है, इसलिए जब आप इसे कॉफी में डालते हैं, तो यह क्रीम या दूध और शक्कर मिलाने जैसा ही स्वाद देता है। एक चौंकाने वाला लेकिन संतुलित अनुभव। काफेओस्ट को कुछ ही लोग या कभी कभी शौकिया तौर पर ही इस्तेमाल नहीं होता है। बल्कि यह स्कैंडिनेविया देश, उत्तरी स्वीडन और फिनलैंड के रेंडियर शिकारियों के लिए सांस्कृतिक महत्व रखता है। बताया जाता है कि इसे आधे खानाबदोश सामी लोगों ने अपनी यात्राओं के दौरान इस पनीर और कॉफी के शानदार संयोजन खोजा था। सामी लोगों ने देखा कि कॉफेओस्ट उनकी सोडियम की कमी को दूर करने में मददगार होता है। जबकि गर्म कॉफी उन्हें गर्म बनाए रखती है और उन्हें वह ऊर्जा देती है जिसकी उन्हें सर्दियों में सफर करने के लिए जरूरत होती है। स्कैंडिनेविया में कॉफेओस्ट का इस्तेमाल बढ़ रहा है। अब तक रेंडियर के दूध के अलावा यहां गाय और बकरी के दूध से बने पनीर से भी इसे बनाया जाने लगा है। पिछले महीने ही यूरोपीयन यूनियन ने काफेओस्ट को प्रोटेक्टेड डिजिग्नेशन ऑफ ओरिजन यानी संरक्षित उत्पत्ति स्थान संकेतक का दर्जा दिया है। ऐसा स्थानीय पनीर निर्माताओं की पहल पर किया गया जो अपनी खाद्य विरासत का एक हिस्सा संरक्षित करना चाहते थे और उम्मीद करते थे कि वे अपने क्षेत्र में उत्सुक कॉफी प्रेमियों को आकर्षित करेंगे।

मंत्री कपिल ने की दंगा भड़काने की कोशिश : भारद्वाज

भाजपा सरकार को आप ने घेरा

» बोले- मंत्री और एलजी के खिलाफ दर्ज होनी चाहिए एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने मंत्री कपिल मिश्रा पर दिल्ली में साम्प्रदायिक दंगा फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, मंत्री कपिल मिश्रा ने 12 जुलाई को एक्स पर लिखा कि शाहदरा में शरारती तत्वों ने कांवड़ मार्ग पर 1 किमी तक कांच के टुकड़े बिखेर दिए। जबकि पुलिस ने जांच में खुलासा किया है कि ये घटना 12 नहीं, 10 जुलाई की है और ग्लास लेकर जा रहे ई-रिक्शा में किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद कांच के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। इसी तरह एलजी साहब ने एक्स पर लिखा था।

ऐसे में दिल्ली में साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश में मंत्री कपिल मिश्रा और एलजी के खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए। सोमवार को चौधरी मतीन अहमद, विधायक संजीव झा के साथ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में पिछले 30 सालों से हम देखते आ रहे हैं कि लाखों कांवड़िए गंगा जी से गंगाजल लेकर अपने-अपने गांवों और कॉलोनियों में आते हैं। कभी नहीं सुना कि कांवड़ यात्रा में हिंदू-मुस्लिम फसाद हुआ हो। मंत्री के बयान के बाद समस्या हो सकती थी। वहीं दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव को उनके उस बयान पर पत्र भेजकर तीन दिन में जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के सरकारी आवास के नवीनीकरण पर अत्यधिक खर्च का आरोप लगाया था।

वर्तमान और पूर्व विधायकों को बनाया उपाध्यक्ष

विधायक कुलदीप कुमार को पूर्व का, जरनैल सिंह को पश्चिम का, संजीव झा को उत्तर-पूर्व का, पूर्व विधायक राजेश गुप्ता को उत्तर पश्चिम का, रितु राज झा को नई दिल्ली का, ब्रह्म सिंह तंवर को दक्षिणी दिल्ली का और जितेंद्र सिंह तोमर को चांदनी चौक का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसे लेकर आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आदेश जारी किया है।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में संगठन को दी नई ताकत

आप ने दिल्ली में अपनी संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने के लिए सात लोकसभा क्षेत्रों के लिए राज्य उपाध्यक्षों की नियुक्ति की है। यह निर्णय पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों को बढ़ाने और आगामी चुनावों की तैयारी के लिए लिया गया है। पार्टी ने प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के लिए एक उपाध्यक्ष नियुक्त किया है, ताकि स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय और जनता तक पहुंच को बेहतर किया जा सके। इन नियुक्तियों को दिल्ली में पार्टी की स्थिति को मजबूत करने और हाल के विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद संगठन को पुनर्जनन करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये नियुक्तियां संगठन को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाएंगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उपाध्यक्षों को स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देने और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह कदम दिल्ली में पार्टी की नई रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जनता के बीच विश्वास बहाल करना और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करना है।

ईओयू ने राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती को जारी किया नोटिस

» फ्लोर टेस्ट में खरीद-फरोख्त का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती को ईओयू ने नोटिस जारी किया है। बीमा भारती सहित चार पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले में संलिप्त होने का आरोप है। ईओयू ने फरवरी 2024 में एनडीए सरकार द्वारा जीते गए विश्वास मत से पहले खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच कर रहा है। प्रमोद कुमार, संजय पटेल और सनी कुमार को विधायक सुधांशु शेखर के खरीद-फरोख्त के मामले में पूछताछ और उनके बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया है। उन्हें किस तारीख को तलब किया गया है, इसका उल्लेख नहीं किया गया है। राजद की पूर्व विधायक बीमा भारती उस समय जदयू में थी और फ्लोर टेस्ट के दौरान अचानक लापता हो गई थी। हालांकि उस समय वह मीडिया में यह जानकारी दे रही थीं कि उनके पति अवधेश मंडल बीमार हैं। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बीमा भारती नहीं पहुंचीं।

बाद में जब सरकार के अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में बहुमत के आधार पर अवध बिहारी चौधरी पूर्व अध्यक्ष हो गए तो वह आयीं। उन्होंने कहा कि वह बीमार पति के साथ दो गाड़ियों में परिवार समेत पटना आ रही थीं, तभी मोकामा में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने बताया कि उनके पति और बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर थाने में बैठा रखा है, लेकिन असल बात यह थी कि अवधेश मंडल के पास हथियार होने की वजह से उन्हें आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

इंग्लैंड ने भारत से छीना रैंकिंग में तीसरा स्थान

» लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट 22 रनों से हराकर सीरीज में 2-1 की बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। इंग्लैंड ने भारत को लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रनों से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) की अंक तालिका में बड़ा बदलाव कर दिया। भारतीय टीम को इस हार से नुकसान हुआ है। बता दें कि, मेजबानों ने भारत के सामने 193 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में टीम इंडिया ने सिर्फ 170 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। इसी के साथ बेन स्टोक्स की टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 की बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड ने भारत पर तीसरे टेस्ट में जीत के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया।

वहीं, भारत चौथे स्थान पर खिसक गया। तीन मैचों में दो जीत के साथ इंग्लैंड के 24 अंक हो गए और अंक प्रतिशत 66.67 का हो गया। वहीं, भारत को तीन मैचों में सिर्फ एक जीत मिली है। उनके खाते में 12 अंक हैं और उनका अंक प्रतिशत 33.33 का है। अंक तालिका में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया है जिसने दो मैच खेले हैं और दोनों ही मैचों में जीत दर्ज की है। उसके खाते में 24 अंक हैं और अंक प्रतिशत 100 का है। दूसरे पायदान पर 16 अंक और 66.67 अंक प्रतिशत के साथ श्रीलंका है। बता दें कि, विदेशी धरती पर यह भारतीय टीम की दूसरी सबसे करीबी हार है। इससे पहले टीम को 1977 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में 16 रनों से शिकस्त मिली थी। दूसरे सत्र की शुरुआत रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की साझेदारी से हुई। नौवें विकेट के लिए बुमराह ने जडेजा के साथ 132 गेंदों में 35 रन जोड़े। बुमराह के बाद जडेजा को सिराज का साथ मिला। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 80 गेंदों में 23 रन जोड़े। सिराज का विकेट गिरते ही भारत की जीत की उम्मीदें समाप्त हो गईं।

लॉर्ड्स में सर्वाधिक प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले खिलाड़ी बने स्टोक्स

स्टोक्स ने इस मुकाबले में ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 44 रन बनाए। इसके बाद 63 रन खर्च करते हुए भारत के दो विकेट झटके। दूसरी पारी में उन्होंने 33 रन बनाए और 48 रन खर्च करते हुए तीन विकेट अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसी के साथ वह लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। इस मामले में उन्होंने जो रूट (इंग्लैंड), ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया) और स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) को पीछे छोड़ दिया। इन तीनों खिलाड़ियों ने तीन-तीन बार इस मैदान पर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता।

नाले में गिरे व्यक्ति की मौत के बाद बवाल

» पार्षद पर एफआईआर दर्ज होने से भड़के जन प्रतिनिधि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में खुला नाला एक बार फिर जिंदिगियों के लिए खतरा साबित हुआ। शनिवार सुबह तेज बारिश के दौरान राधाग्राम निवासी पेंटर सुरेश नाले में गिरकर बह गए। घटनास्थल से करीब 1 किलोमीटर दूर आईआईएम रोड के पास उनका शव 28 घंटे बाद बरामद हुआ। इस घटना ने निगम की लापरवाही की पोल खोलकर रख दी। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले की हालत को लेकर नगर निगम से कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन समय रहते मरम्मत नहीं की गई।

हादसे के बाद मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9 लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा की।

ठाकुरगंज थाना प्रभारी लाइन हाजिर

एफआईआर की खबर मिलते ही भाजपा पार्षदों समेत कई जन प्रतिनिधि भड़क उठे। सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में पार्षदों ने नगर आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की और धरने पर बैठ गए। पार्षदों का आरोप है कि हादसे के असली ज़िम्मेदार अधिकारी हैं, लेकिन बचाने के लिए जन प्रतिनिधि को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। महापौर ने 24 घंटे के अंदर इंस्पेक्टर को हटाने की लखनऊ कमिश्नर से की थी मांग जिसके बाद पार्षदों ने धरना प्रदर्शन खत्म किया था। धरने के बाद मामला और तूल पकड़ता देख प्रशासन ने ठाकुरगंज थाना प्रभारी श्रीकांत राय को लाइन हाजिर कर दिया। बताया जा रहा है कि इंस्पेक्टर पर पार्षदों की ओर से स्वड्डक्र दर्ज करने में जल्दबाज़ी और पक्षपात के आरोप लगे थे। पुलिस मुख्यालय ने मामले की विभागीय जांच भी शुरू की है। इस मामले में नगर निगम के अभियंताओं और मृतक के परिजनों की तहरीर पर ठाकुरगंज पुलिस ने स्थानीय भाजपा पार्षद सीबी सिंह और ठेकेदार अंकित कुमारके खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मांग

विपक्षी दल कांग्रेस ने भी हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि निगम और प्रशासन की मिलीभगत से ही शहर में ऐसे हालात बने हैं।

नगर आयुक्त कार्यालय में पार्षदों ने किया प्रदर्शन

» लगाया अनदेखी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय पर मंगलवार को उस समय हलचल मच गई जब बड़ी संख्या में पार्षदों ने नगर आयुक्त के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर आयुक्त न तो जनता की समस्याएं सुनते हैं और न ही जन प्रतिनिधियों की बातों को महत्व देते हैं। पार्षदों का कहना है कि नगर आयुक्त का रवैया पूरी तरह से असंवेदनशील हो गया है।

नगर आयुक्त का कार्यालय जैसे हम पार्षदों के लिए बंद हो गया है, हम बार-बार समस्याएं लेकर जाते हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती, एक पार्षद ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा। प्रदर्शन के दौरान पार्षदों ने नगर निगम के कामकाज पर भी सवाल खड़े किए और चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

भाजपा के सिस्टम ने की छात्रा की हत्या : राहुल गांधी

बालासोर में छात्रा की मौत के बाद भड़का विपक्ष, कांग्रेस, टीएमसी के बाद बीजद ने ओडिशा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में एक कॉलेज की छात्रा ने सीनियर प्रोफेसर से परेशान होकर आत्मदाह कर लिया था। फकीर मोहन कॉलेज की इस छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद कांग्रेस, बीजद समेत कई पार्टियों ने भाजपा सरकार को बुरी तरह से घेर लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट शेयर करके कहा कि सिस्टम ने उसकी हत्या की है।

राहुल ने भारतीय जनता पार्टी पर भी तंज कसा है। राहुल ने बालासोर की घटना को लेकर एक्स पोस्ट के जरिए कहा, ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है. उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई – लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया. जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे।

लखनऊ कोर्ट पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने के लिए लखनऊ पहुंच गए हैं। उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है। एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया है। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली।

भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता है

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा - और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर - देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं, दम तोड़ रही हैं और आप? खामोश बने बैठे हैं, देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए. भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाई - लेकिन न्याय देने के बजाय, उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया।

बिहार में पीड़ित परिवार से मिले कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस अमानवीय घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों से फोन पर बातचीत की है और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने रविवार को पीड़ित परिजनों से फोन पर बात की और उन्हें ढांढ़स बंधाया। उन्होंने करीब पांच मिनट तक बातचीत कर परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। यह बातचीत अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया के प्रयासों से संभव हुई, जो स्वयं टेंटगामा गांव पहुंचे थे।

कॉलेज छात्रा का अंतिम संस्कार

एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद आत्मदाह करने वाली कॉलेज छात्रा का अंतिम संस्कार मंगलवार को ओडिशा के बालासोर जिले में उसके पैतृक गांव में किया गया। गांव के श्मशान घाट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बालासोर से सांसद प्रताप सारंगी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित हजारों लोगों की मौजूदगी में छात्रा के चचेरे भाई ने उसे मुखाग्नि दी। स्थानीय लोगों ने नम आंखों से छात्रा को अंतिम विदाई दी। उसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में लोग श्मशान घाट पहुंचे। छात्रा के पिता की आंखों से आंसू नहीं रुक रहे थे। उन्होंने कहा, ''मेरी बेटी ने मुझे लड़ना सिखाया और मैं यह लड़ाई जारी रखूंगा। मुझे न धन की जरूरत है, न किसी मुआवजे की। मुझे मेरी बेटी चाहिए। क्या सरकार मेरी बच्ची को मुझे वापस ला सकती है?'' जब छात्रा की मां से उनकी मांगों के बारे में पूछा गया तो वे बस इतना ही कह सकीं, ''कृपया मुझे माफ कर दीजिए। मैं कुछ कहने की हालत में नहीं हूं।''

प्रशासन मदद करने के बजाय खामोश बना रहा : नवीन पटनायक

ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने मंगलवार को कहा कि एक शिक्षक द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद खुद को आग लगाने वाली कॉलेज छात्रा की मौत ''सिस्टम की नाकामी'' के कारण हुई। कॉलेज छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, पटनायक ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''यह सोचकर और भी दुख होता है कि कैसे एक नाकाम सिस्टम किसी की जान ले सकता है। सबसे पीड़ादायक बात यह है कि यह कोई हादसा नहीं था, बल्कि एक ऐसे सिस्टम का नतीजा था जो मदद करने के बजाय खामोश बना रहा। न्याय के लिए लड़ते-लड़ते आखिरकार उस लड़की ने अपनी आंखें हमेशा के लिए बंद कर लीं।''

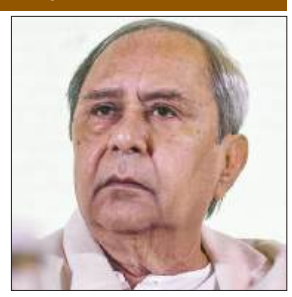

योगी सरकार को फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

» कांवड़ यात्रा पथ पर दुकानों में अनिवार्य क्यूआर कोड मामले में अदालत सख्त

» यूपी से 22 तक मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्ग पर बनी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने और दुकान मालिकों की पहचान उजागर करने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही 22 जुलाई तक जवाब मांगा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से जवाब तलब किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल भी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के निर्देशों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 25 जून को यूपी सरकार द्वारा जारी निर्देश का हवाला देते हुए शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा ने कहा कि नए निर्देश के तहत कांवड़ मार्ग पर बने सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इससे दुकान मालिकों के नाम और पहचान का पता चले। इससे दोबारा वही भेदभाव किया जा रहा है, जिसे पहले इस अदालत ने रोका था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार का निर्देश, जिसमें स्टॉल मालिकों को कानूनी लाइसेंस आवश्यकताओं के तहत धार्मिक और जातिगत पहचान का खुलासा करने के लिए कहा गया है, दुकान, ढाबा और रेस्तरां मालिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है। श्रावण मास के दौरान शिवलिंगों का जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा से पवित्र जल लेकर विभिन्न स्थानों से कांवड़ लेकर आते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में मांसाहार से परहेज करते हैं। कई लोग तो प्याज और लहसुन वाला भोजन भी नहीं खाते।

सुप्रीम कोर्ट का एआईएमआईएम का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की याचिका पर सुनवाई से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की एक राजनीतिक पार्टी के रूप में पंजीकरण को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को व्यापक मुद्दों को उठाने के लिए एक नई रिट याचिका दाखिल करने की अनुमति दी, जिसमें धार्मिक उद्देश्यों वाली राजनीतिक पार्टियों की वैधता पर सवाल उठाया जा सके। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें एआईएमआईएम के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एक राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रेशन के खिलाफ याचिका को खारिज कर दिया गया था। बेंच के सामने जब मामला आया और बेंच का रुख याची ने देखा तब उसने अपनी विशेष अनुमति याचिका को वापस लेने का निर्णय लिया।

जम्मू-कश्मीर में खाई में गिरी गाड़ी 5 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार (15 जुलाई) को एक गाड़ी के गहरी खाई में गिर जाने से 5 लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि टेंपो के चालक ने पोंडा के निकट डोडा-भर्थ मार्ग के एक मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हो गया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है. घायलों में तीन की हालत गंभीर है।

अधिकारियों ने कहा, गंभीर रूप से घायल लोगों में से एक पांच वर्षीय उज्मा जान को जम्मू रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान मोहम्मद अशरफ (35), मंगता वानी (51), अत्ता मोहम्मद (33), तालिब हुसैन (35) और रफीका बेगम (60) के रूप में हुई है।

निमिषा प्रिया की फांसी टली, 2017 से यमन की जेल में बंद है केरल की नर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर यमन से अहम खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक निमिषा की फांसी को फिलहाल टाल दिया गया है। उन्हें 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। इस केस को लेकर भारत सरकार काफी कोशिश कर रही थी, आखिर में फांस टाल दी गई।

यमन की एक अदालत ने निमिषा प्रिया को हत्या के मामले में फांसी की सजाई सुनाई थी। वे साल 2017 से यमन की जेल में बंद हैं। निमिषा प्रिया पर यमन के नागरिक तलाल एब्दो महदी की हत्या का आरोप लगा था। वे इस मामले में दोषी भी पाई गईं। आरोप था कि उन्होंने महदी के पास जमा अपना पासपोर्ट हासिल करने के लिए बेहोशी का इंजेक्शन लगा दिया और दवाई का ओवरडोज होने की वजह से उसकी मौत हो गई। निमिषा को इस केस में अदालत ने फांसी की सजा दे दी थी। हालांकि खबर के मुताबिक निमिषा की फांसी फिलहाल टल गई है।

प्रिया को यमन के कानून के तहत मिली सजा

यमन में शरिया कानून चलता है। लिहाजा निमिषा को भी इसी कानून के तहत मौत की सजा दी गई।

इस कानून में माफी का भी एक प्रावधान है। ब्लड मनी नाम की एक ऐसी प्रथा है, जिसके तहत हत्या को दोषी को माफी मिल सकती है, लेकिन उसे इसके लिए मृतक के परिवार को मुआवजे के तौर पर मोटी रकम देनी होती है। निमिषा को भी इस कानून के तहत छोड़ा जा सकता है, लेकिन इसको लेकर किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

आशनायी में मां ने बेटी को ही मार डाला

» पति को फंसाने के लिए उठाया शर्मनाक कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में एक मां ने पति को फंसाने के लिए अपनी 7 साल की बेटी की हत्या कर दी। वह लिव-इन में प्रेमी के साथ रहती थी। वारदात के बाद मां ने पुलिस को कॉल की। कहा- पति ने बेटी की हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की मां बार-बार बयान बदल रही थी। पुलिस ने सख्ती की तो उसने गुनाह कबूल लिया।

वारदात कैसरबाग के खंदारी बाजार इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मां का नाम रोशनी खान है। करीब 8 साल पहले उसकी शादी शाहरुख खान नाम के युवक से हुई थी। दोनों की 7 साल की बेटी सोना थी। कुछ साल पहले रोशनी का उदित जायसवाल नाम के युवक के साथ अफेयर हो गया। रोशनी पति को छोड़कर उदित के साथ लिव-इन में रहने लगी थी।

इंस्पेक्टर कैसरबाग ने बताया कि रोशनी खान ने बेटी की हत्या की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में दी। उसने कहा कि पति शाहरुख ने बेटी की हत्या कर दी। मौके पर जांच पड़ताल की गई तो रोशनी की बात झूठ निकली। पता चला कि रोशनी का पति से विवाद चल रहा था। वह बेटी से मिलने आया था तो दोनों के बीच बहस हो गई। पति को फंसाने के लिए उसने गला दबाकर बेटी की हत्या कर दी। फिर पुलिस को कॉल की। आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। जिस कमरे में बच्ची की लाश मिली है। उसे सील कर दिया गया है।

हत्यारोपी मां रोशनी खान

समिट बिल्डिंग में पार्टी के दौरान मिले थे दोनों

कुछ साल पहले समिट बिल्डिंग में पार्टी के दौरान शाहरुख और रोशनी की मुलाक़ात हुई थी। मुलाक़ात जल्द ही प्यार में बदली और दोनों ने नशे की हालत में शादी कर ली। लेकिन इस रिश्ते की बुनियाद पर साजिश की परतें धीरे-धीरे खुलती चली गईं। जानकारी के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद ही रोशनी की नजर घर और संपत्ति पर टिक गई थी।

- बताया जा रहा है कि रोशनी पहले भी पूरे परिवार को बलात्कार जैसे संगीन मुकदमों में फंसा चुकी है, जिसकी वजह से परिवार के कई लोग अब भी जेल की सजा काट रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह भी देख रही है कि हत्या की वारदात के पीछे मकसद सिर्फ घरेलू विवाद था या पहले से रची गई साजिश।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।